

न्यायालय जिला कलेक्टर, पाली
पीठासीन अधिकारी : श्री दिनेश चन्द जैन, आई.ए.एस.

राजस्व विविध : 105/2017

प्रार्थी:-	बनाम	अप्रार्थीगण :-
अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड यूनिट पाली सीमेन्ट वर्क्स, जैतारण जरिये सर्वाधिकार श्री संजय जैन पुत्र स्व. श्री पी.एस.जैन हाल ब्यावर उप प्रबंधन अल्ट्राटेक सीमेंट लि.		1. ओगडराम पुत्र जोगाराम कुम्हार, निवासी टूकड़ा तहसील जैतारण जिला पाली (राज.) 2. सोहन पुत्र हापू जाति कुम्हार, निवासी टूकड़ा तहसील जैतारण जिला पाली (राज.)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 89, राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956

उपस्थिति :-


श्री मोहम्मद शरीफ काजी, अधिवक्ता प्रार्थी

निर्णय

दिनांक :- 25/11/19

प्रार्थी के अधिवक्ता ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 89 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 के तहत अप्रार्थी के विरुद्ध प्रस्तुत किया। जिस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। तहसीलदार जैतारण से मौका रिपोर्ट प्राप्त की गई। अप्रार्थीगण बावजूद नोटिस तामील के अनुपस्थित रहने से बहस एकतरफा सूनी गई।

विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने अपनी बहस में कथन किया कि प्रार्थी को खान एवं भू विज्ञान विभाग ने लीज प्रदान की है, जिसके लीज संख्या 29/99 क्षेत्रफल 689.76 हैक्टेयर है। उक्त लीज की अवधि 50 वर्ष है, जो दिनांक 19.03.2015 से प्रभावी होकर वर्तमान में कार्यशील है। लीजडीड के अनुसार प्रार्थी को ग्राम मोहराई, दागला, आसरलाई, निम्बेडा खुर्द, टुकडा व मेसिया तहसील जैतारण एवं तहसील रायपुर के अन्य गांवों में भी अवस्थित भूमि, जिनके खसरा नम्बर पृथक पृथक है, के खातेदारान से अवाप्त कर कम्पनी खनन कार्य करने हेतु प्रक्रियाधीन है। ग्राम टूकड़ा के खसरा नम्बर 117 रकबा 12-18 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 190 रकबा 21-11 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 192 रकबा 12-04 बीघा किस्म बारानी दोयम व खसरा नम्बर 196 रकबा 02-14 बीघा किस्म बारानी दोयम कुल रकबा 49-07 बीघा की खातेदारी भूमि है, जैर प्रार्थना पत्र आराजी प्रार्थी ईकाई को खनन एवं भू विज्ञान विभाग द्वारा स्वीकृत लीज क्षेत्र के मध्य स्थित है तथा चारों ओर घिरी हुई है, जिसमें प्रार्थी ईकाई द्वारा अपने लीज क्षेत्र में खनन तथा समनुषंगी कार्य (subsidiary purposes) के उपयोगार्थ राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 89 (2) में वर्णित कार्य हेतु अप्रार्थीगण की भूमि की आवश्यकता जाहिर की है एवं यह कथन किया कि इसके अभाव में प्रार्थी ईकाई अपने उद्योग को नहीं चला पायेगी तथा उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस कारण उक्त आराजी का उपयोग एवं आधिपत्य प्रार्थी ईकाई को प्रदान कराना आवश्यक है। अप्रार्थीगण के हिस्से की उक्त भूमि का मुआवजा अदा करने हेतु प्रार्थी ईकाई तत्पर है। अतः उपरोक्त भूमि का


जिला कलेक्टर, पाली



मुआवजा निर्धारित करावे एवं भूमि प्रार्थी ईकाई को खनन एवं समनुषंगी कार्य (subsidiary purposes) के उपयोगार्थ उपलब्ध करवावे।

विद्वान अभिभाषक प्रार्थी की बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी को माईनिंग लीज प्राप्त है। तहसीलदार जैतारण द्वारा प्रेषित मौका जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त भूमि प्रार्थी ईकाई की माईनिंग लीज भूमि के मध्य ग्राम टूकड़ा के खसरा नम्बर 117 रकबा 12-18 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 190 रकबा 21-11 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 192 रकबा 12-04 बीघा किस्म बारानी दोयम व खसरा नम्बर 196 रकबा 02-14 बीघा किस्म बारानी दोयम कुल रकबा 49-07 बीघा की खातेदारी भूमि है, जिसमें से अप्रार्थी संख्या 1 के 1/4 हिस्से की खातेदारी भूमि स्थित है, अप्रार्थी संख्या 10 के खसरा नम्बर 117 एवं खसरा नम्बर 196 की भूमि में 1/16 हिस्से की खातेदारी भूमि स्थित है। उक्त जैर प्रार्थना पत्र आराजी की तहसीलदार जैतारण की मौका रिपोर्ट अनुसार डी0एल0सी0 दर 1,31,210/- रूपये प्रति बीघा है, जो राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 12.02.2018 में 10 प्रतिशत की डी.एल.सी. दर में कमी की गई है। तदनुरूप आराजी की वर्तमान डी.एल.सी. दर 1,18,089/- रूपये प्रति बीघा होती है एवं प्रश्नगत भूमि नगरपालिका क्षेत्र से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। तहसीलदार जैतारण की मौका जांच रिपोर्ट में उक्त आराजियात पर स्थित पेड पौधो की संख्या एवं कीमत अंकित है। खनन के अन्य समनुषंगी कार्य हेतु प्रार्थी को उक्त भूमि की आवश्यकता है। राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 89 (4) के अनुसार खनिज सम्पदा के दोहन से यदि किसी व्यक्ति के अधिकारो का उल्लंघन होता है, तो उस व्यक्ति को सुना जाकर राज्य सरकार या उसका अभिहस्तांकित ऐसे व्यक्तियों को इस प्रकार के उल्लंघन के लिये प्रतिकर देगा एवं ऐसे प्रतिकर की धनराशि का निर्धारण भूमि अवाप्ति अधिनियम के प्रावधानो के अनुसार इस न्यायालय द्वारा राजस्थान भू अवाप्ति अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना है। राजस्व (ग्रुप 6) विभाग अधिसूचना क्रमांक पं.1 (3) राज- 6/2011/पार्ट/14 दिनांक 16.10.14 के अनुसार, प्राइवेट कम्पनी द्वारा भूमि अर्जन करने की स्थिति में पुनर्वासन और पुर्ववस्थान के प्रावधान लागू करने के लिए अवाप्ति भू क्षेत्र की सीमा ग्रामीण क्षेत्र में 1000 हेक्टर तथा शहरी क्षेत्र में 200 हैक्टेयर है। प्रार्थी कम्पनी का अवाप्ति क्षेत्र उक्त सीमा से कम होने से उक्त प्रावधान लागू नहीं होते है। भूमि अवाप्ति के सम्बन्ध मे नया भूमि अवाप्ति पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 दिनांक 1 जनवरी 2014 से लागू होकर, उनके प्रावधानों के अनुसार ही भूमि अवाप्ति की प्रक्रियाएं एवं भूस्वामियों को दिये जाने वाले मुआवजे का निर्धारण किया जाना है। चूँकि राज्य सरकार की ओर से भूमि अवाप्ति के सम्बन्ध मे अलग से कोई भूमि अवाप्ति अधिनियम लागू नहीं किया गया है, अतः प्रकरण मे नए एक्ट के प्रावधानों के अनुसार ही मुआवजे का निर्धारण किया जाना है। नये भूमि अवाप्ति पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानो के अनुसार अनुसूचि प्रथम में भूमि धारको को प्रतिकर के बारे में उल्लेख किया गया है, जिसके क्रम संख्या 1 से 6 के अन्तर्गत कुल प्रतिकर की गणना किस प्रकार की जायेगी, का क्रमवार उल्लेख किया गया है एवं उक्त अनुसूचि की क्रम संख्या 2 के अनुसार दिये जाने वाले प्रतिकर के कारको 1 से 2, जो कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट की दूरी पर आधारित होगा, जैसा कि संबंधित राज्य सरकार द्वारा



जिला कलेक्टर, जयपुर

अधिसूचित किया जावे, क्रम संख्या 4 में भूमि से जुड़ी हुई सम्पत्तियों के निर्धारण एवं क्रम संख्या 5 में तोषण का निर्धारण किस प्रकार किया जायेगा, का उल्लेख किया गया है।

तहसीलदार से प्राप्त मौका रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रश्नगत भूमि की दूरी निकटतम नगरपालिका क्षेत्र से 25 कि.मी. है एवं उपरोक्त उल्लेखित अधिसूचना क्रमांक प01(3)राज. 6/2011/पार्ट/26 दिनांक 14.06.2016 में उल्लेखित भूमि का गुणक, जिससे बाजार मूल्य गुणित किया जावेगा, वह 1.75 है तथा गुणित किये गये उक्त बाजार मूल्य में एकट की अनुसूचि के प्रावधानों के अनुसार पेड़ पौधों व संपत्ति की कीमत को जोड़ा जाना है एवं धारा 30(1) के अनुसार ऐसी राशि की शत प्रतिशत तोषण की राशि होगी। प्रार्थी को राज्य सरकार के खनन विभाग द्वारा विधिक प्रावधानों के अन्तर्गत खनन कार्य हेतु पट्टा 50 वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया गया है, जिसके सहायक कार्य हेतु प्रश्नगत भूमि चाही जाने से इस भूमि के खातेदार के सरफेस राईट का उल्लंघन होगा। जिसके लिये अप्रार्थी को प्रतिकर राशि का भुगतान किया जाना आज्ञापक है। उपखण्ड अधिकारी, जैतारण के प्रकरण संख्या 553/2016 में पारित डिक्री के अनुसार खसरा नम्बर 190/1 एवं 192 के खातेदार ओगडराम पुत्र जोगाराम, पारसराम पुत्र प्रभुराम कौम कुम्हार रहे तथा खसरा नम्बर 117/1 व 196 के खातेदार ओगडराम पुत्र जोगाराम, सोहनलाल पुत्र हापुराम व पारस पुत्र प्रभुराम कौम कुम्हार रहे। तत्पश्चात सन् 2008 में पारसराम पुत्र प्रभुराम कौम कुम्हार के हिस्से की भूमि प्रार्थी कम्पनी अल्ट्राटेक सिमेन्ट लिमिटेड द्वारा क्रय करने से राजस्व रेकॉर्ड में पारसराम पुत्र प्रभुराम के स्थान पर प्रार्थी कम्पनी दर्ज हो गई तथा मात्र ओगडराम पुत्र जोगाराम तथा सोहनलाल पुत्र हापुराम ही कम्पनी के सहखातेदार रहे। उपरोक्त चारों खसरों में ओगडराम व सोहनलाल के हिस्से का प्रतिकर निर्धारण किया जाना है। तहसीलदार जैतारण से रिपोर्ट ली गई, रिपोर्ट क्रमांक राजस्व/19/1560 दिनांक 18.11.2019 के अनुसार ओगडराम पुत्र जोगाराम व सोहनलाल पुत्र हापुराम के हिस्से का (ओगडराम का हिस्सा 92.53 प्रतिशत एवं सोहनलाल का हिस्सा 7.47 प्रतिशत कुल 100 प्रतिशत) प्रतिकर का निम्नानुसार निर्धारण किया जाता है -

	खातेदार का नाम जिसका विवरण जमाबंदी में अंकित है।	खसरा नम्बर	रकबा	किस्म	डी.एल.सी. दर	राशि (कॉलम संख्या 3 X 5)	नगर पालिका से दूरी किमी में व उसके अनुसार गुणक		कुल राशि (कॉलम संख्या 6 X 8) रु.
							7	8	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
A	1. ओगडराम पुत्र जोगाराम कुम्हार, निवासी टूकड़ा तहसील जैतारण जिला पाली (राज.)	117/1	3.29 बीघा	बारानी दोयम	118089	388512.81	25	1.75	679897.42
		190/1	5.39 बीघा	बारानी दोयम	118089	636499.71	25	1.75	1113874.49
		192	3.00 बीघा	बारानी दोयम	118089	354267	25	1.75	619967.25
		196	0.70 बीघा	बारानी दोयम	118089	82662.3	25	1.75	144659.03

जिला कलेक्टर, पाली

	2. सोहन पुत्र हापू जाति कुम्हार, निवासी दूकड़ा तहसील जैतारण जिला पाली (राज.)	117/1	0.824 बीघा	बारानी दोयम	118089	97305.34	25	1.75	170284.39
		196	0.175 बीघा	बारानी दोयम	118089	20665.58	25	1.75	36164.76
B	योग								276484-7.28
C	प्रभावित भूमि पर अवस्थित पेड़ों की मालियत								175000
D	अन्य संरचना (धोरा व तारबन्दी वगैरा)								40000
E	योग (कॉलम संख्या B + C +D)								2979847.28
F	तोषण 100 प्रतिशत (कॉलम E के समान राशि)								2979847.28
G	कुल देय प्रतिकर राशि (E + F)								5959694.56

अतः प्रार्थी कम्पनी उपरोक्त मुआवजा राशि रूपये 59,59,695/- (अक्षरे उन्नसाठ लाख उन्नसाठ हजार छः सौ पिच्चयान्वे रूपये मात्र) अप्रार्थीगण के हिस्से अनुसार उनके नाम का चैक बनाकर तहसीलदार जैतारण को एक माह की अवधि में उपलब्ध करावे। तहसीलदार जैतारण उक्त आराजी के संबंध में राजस्व अभिलेख में दर्ज खातेदार एवं वर्तमान कब्जे के सम्बंध में सन्तुष्टि के उपरान्त सम्बन्धित राशि का भुगतान कर प्रमाणित करेंगे तथा अपील अवधि गुजरने के पश्चात राजस्व रेकर्ड में भूमि बिलानाम (सिवायचक) माईनिंग लीज अंकित की जावें। प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी का उपयोग प्रार्थी इकाई को लीज अवधि तक प्रचलित नियमों, निर्देशों, लीज डीड व विभागीय परिपत्रों के तहत एवं राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 89(2) में वर्णित माईनिंग से संबन्धित समनुषगी कार्यों (Subsidiary Purposes) के लिए ही करने का अधिकार होगा। भविष्य में राज्य सरकार अथवा किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा राशि भुगतान में संशोधन किया जाता है तो प्रार्थी द्वारा अन्तर राशि की अदायगी नियमानुसार की जाएगी। निर्णय की प्रति तहसीलदार जैतारण/प्रार्थी कम्पनी को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी जावे।

निर्णय आज दिनांक 25/11/2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(दिनेश चन्द जैन)
जिला कलेक्टर पाली
जिला कलेक्टर, पाली